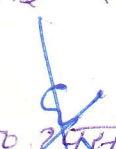


आदेश की क्रम सं० और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर कारवाई के ब. टिप्पणी, तारीख सहित 3
<p>26.2.18</p>	<p>अभिलेख उपस्थापित । प्रांय-उत्प्रेक्ष अभाष । उक्त वाद में पक्षगत किंग्र लम्बे समय से कोर अगिरुची नहीं ले रहे हैं अतः वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है</p> <p style="text-align: right;">  श्री ० सु० अ.स.स.स.स. नगा (उत्प्रेक्ष) </p>	